POLSTRAT x TEAM CVOTER® we read the pulse of the nation

व्यक्तिगत भलाई सूचकांक

कोरोनावायरस लॉकडाउन के बीच भारतीयों की रिपोर्ट में व्यक्तिगत संबंधों और समुदाय की भावना में सुधार हुआ।

टीम **C-voter** ने दिसंबर **2019**, अप्रैल **2020** और मई **2020** में देशभर के भारतीयों के पर्सनल वेलबीइंग इंडेक्स (व्यक्तिगत कल्याण सूचकांक-पीडब्लूआई) का पता लगाने के लिए कई सर्वेक्षण किए। **PWI** उत्तरदाताओं से उनके जीवन जैसे उनके जीवन स्तर, स्वास्थ्य, व्यक्तिगत संबंध, भविष्य की सुरक्षा और अन्य में विभिन्न डोमेन के अनुरूप संतुष्टि के स्तर के बारे में पूछताछ की है।

उत्तरदाता सभी डोमेन के लिए 0 (कम से कम संतुष्ट) के 10 (सबसे संतुष्ट) के पैमाने पर संतुष्टि के अपने स्तर को दर करते हैं।

आज के इन्फोग्राफिक में, **टीम पोलस्ट्रैट** ने विश्लेषण किया है कि कैसे कोरोनोवायरस संकट से पहले और उसके दौरान भारतीयों का अपने **व्यक्तिगत संबंधों और अपने समुदाय की भावना** में संतुष्टि के बदलाव को महसूस किया है।

25 मार्च को, भारत सरकार ने राष्ट्रव्यापी बंद की घोषणा की, जिससे 1.35 बिलियन लोगों को घर पर रहने और सामाजिक दूरी का अभ्यास करने के लिए मजबूर होना पड़ा। हालांकि, सामाजिक रूप से अलग-थलग होने के बावजूद, भारतीयों ने एक समुदाय और उनके व्यक्तिगत संबंधों को महसूस करने के साथ उच्च स्तर की संतुष्टि की सूचना दी है।

Q आप अपने निजी संबंधों से कितने संतुष्ट हैं?

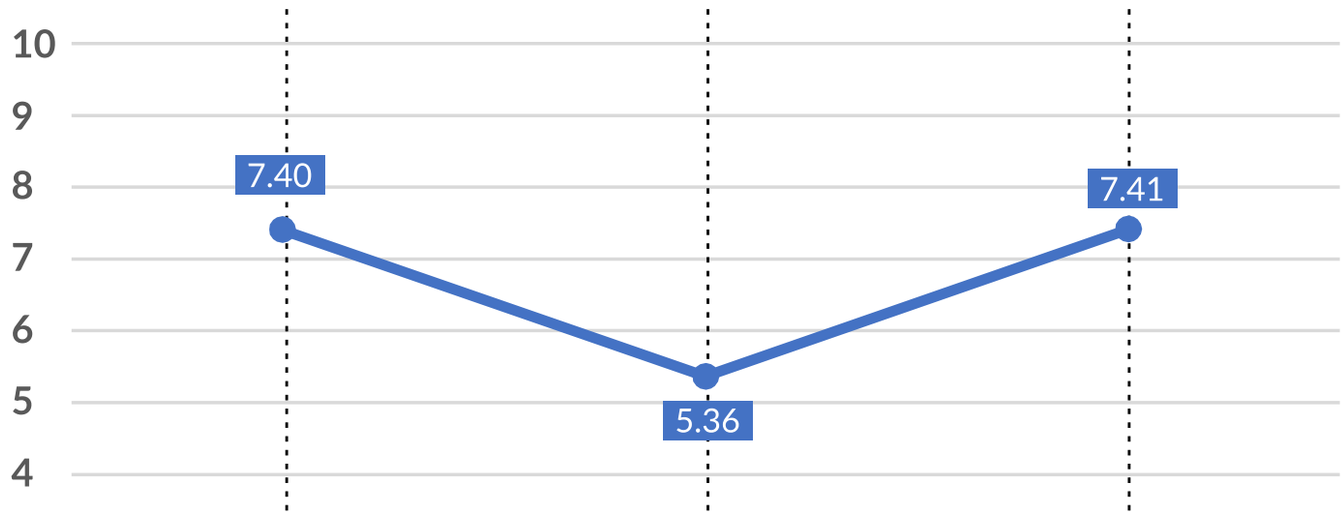

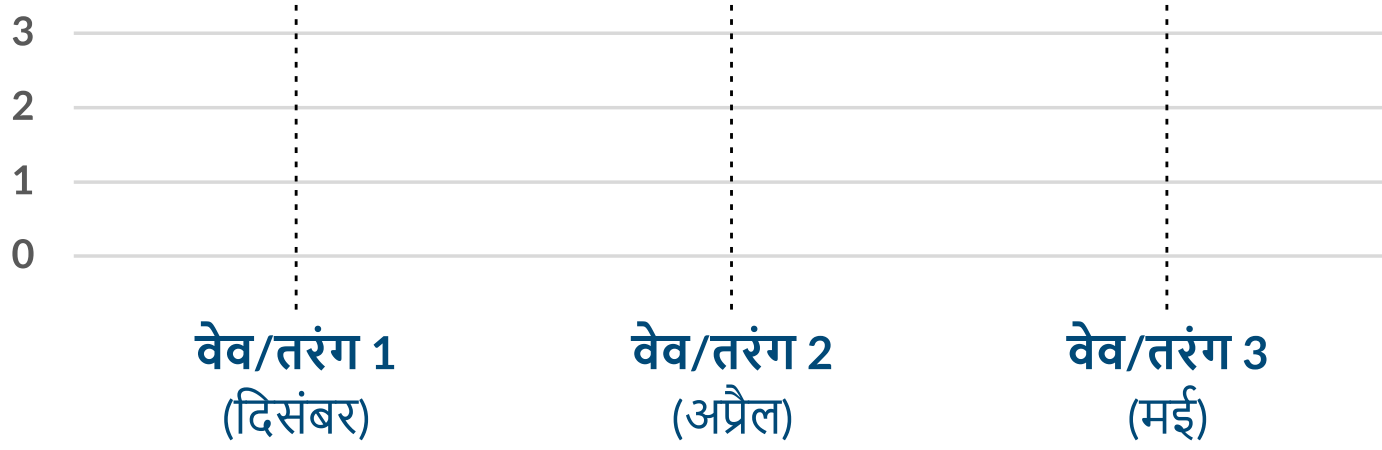

Q आप अपने समुदाय का हिस्सा होने से कितने संतुष्ट हैं?

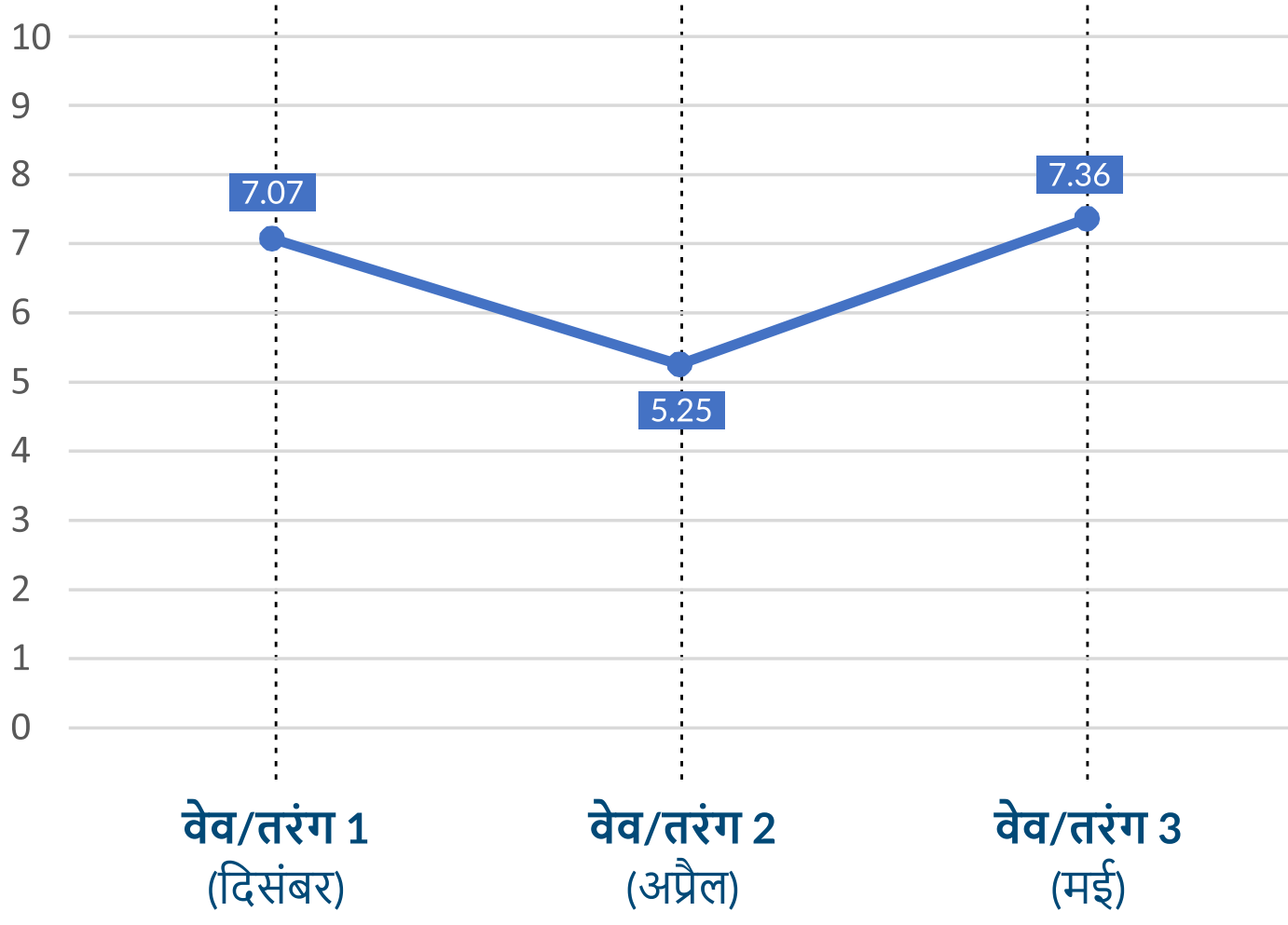

मुख्य निष्कर्ष

भारतीयों ने कोरोनोवायरस (दिसंबर 2019) से **पहले तरंग 3 (मई 2020)** में अपने **व्यक्तिगत संबंधों और अपने समुदाय के संबंधों** को महसूस करने वाले हिस्से के साथ **संतुष्टि के उच्च स्तर की सूचना दी।**

लॉकडाउन के प्रभावी होने के ठीक बाद वेव 2 (अप्रैल) में **समुदाय और व्यक्तिगत संबंधों के एक हिस्से** को **महसूस करने के साथ संतुष्टि स्तरों में लगभग 2 अंक की गिरावट आई थी**। हालांकि, ये आंकड़े मई में किए गए **सर्वेक्षण की अगली लहर में काफी हद तक ठीक हो गए।**

समुदाय के एक हिस्से की तरह महसूस करने से कौन संतुष्ट है?

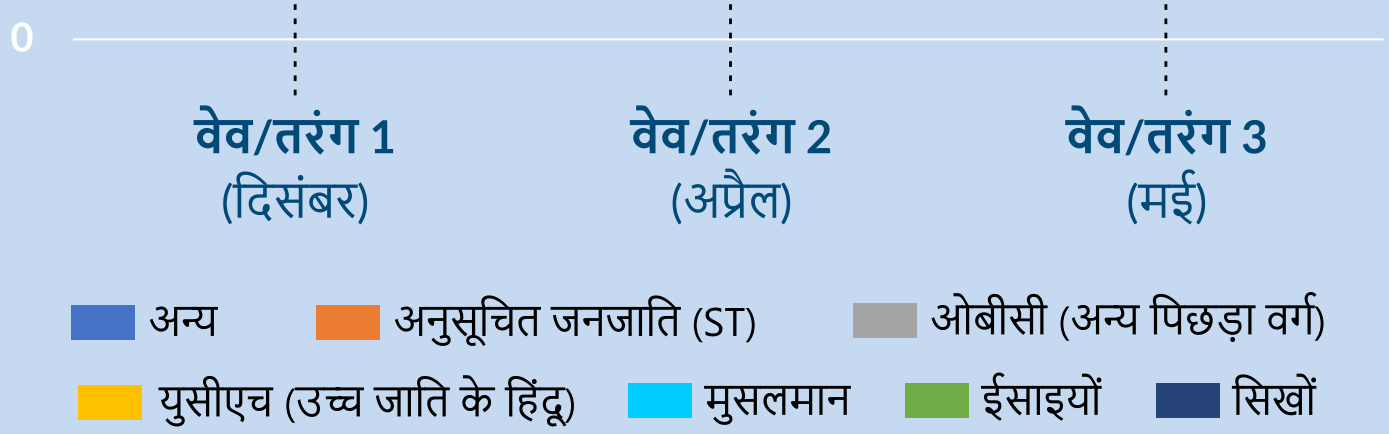

सामाजिक समूहों के बीच, दिसंबर 2019 से मई 2020 तक **अपने समुदाय के एक हिस्से** की तरह लोगों की **संतुष्टि में उल्लेखनीय वृद्धि हुई है**।

वृद्धि के उच्चतम स्तर की सूचना

2.98
ईसाई

1.43
अन्य

0.78
अनुसूचित जनजाति

0.73
सिख

संतुष्टि के स्तर में मामूली कमी की सूचना

0.26
अन्य पिछड़ा वर्ग (ओबीसी)

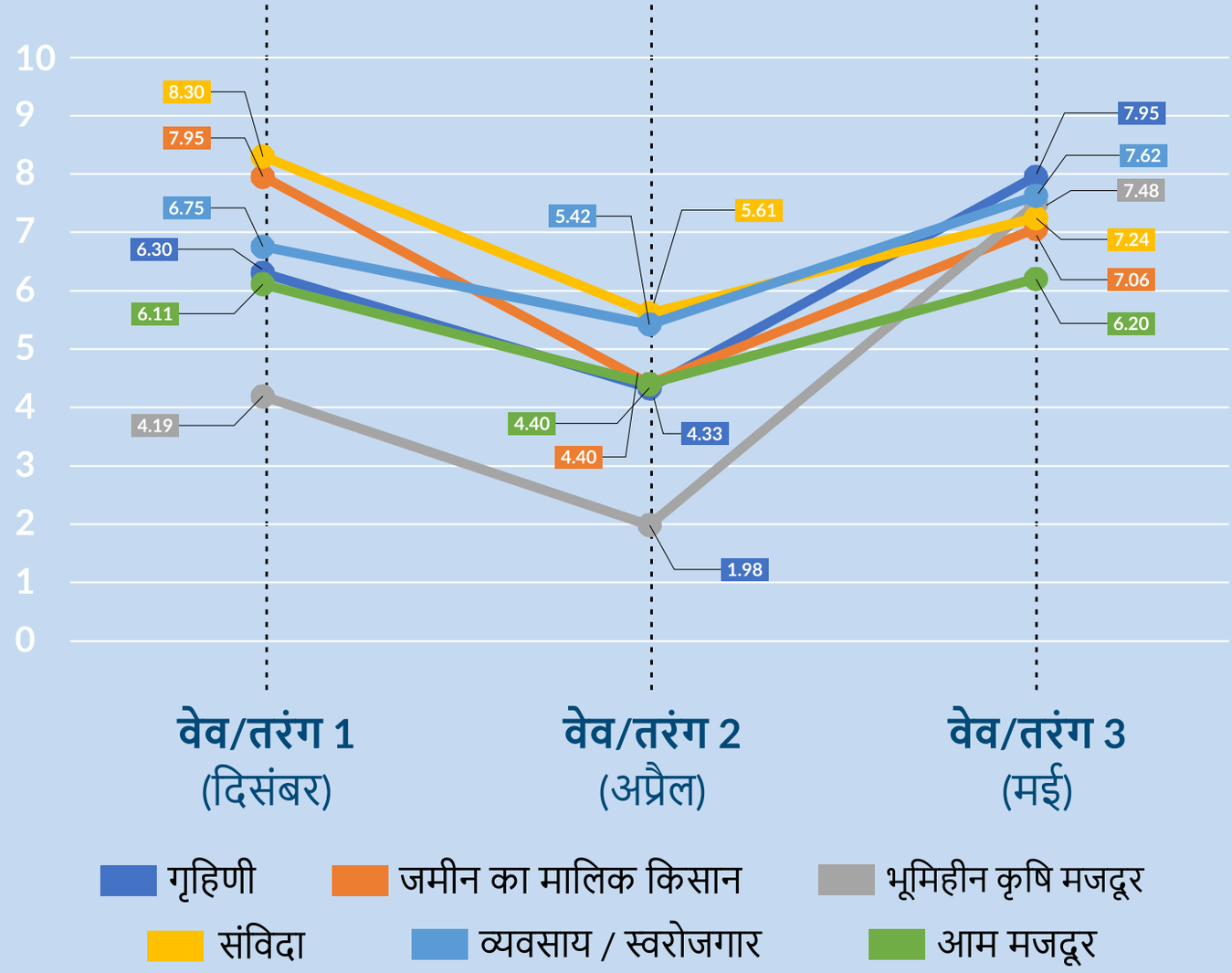

इसी तरह, **वर्ग वाले समूहों में**, ज्यादातर उत्तरदाताओं ने **कोरोनोवायरस संकट (मई 2020) से पहले (दिसंबर 2019)** के दौरान अपने **समुदाय के एक हिस्से की तरह महसूस करने के साथ संतुष्टि में वृद्धि की सूचना दी।**

संतुष्टि के स्तर में सबसे अधिक वृद्धि की सूचना

1.65	1.65	0.87
Landless Agricultural Labour	Housewives	Business Owners

इसी समय, **भूमि-मालिक किसानों और संविदाकर्मियों ने संतुष्टि में गिरावट की सूचना दी।**

समुदाय की भावना में वृद्धि का **श्रेय मजदूरों के सभी क्षेत्रों** के लिए **आवंटित सरकारी राहत कोषों को दिया जा सकता है**, जिनमें **छोटे व्यवसाय, प्रवासी मजदूर, किसान, विक्रेता और अन्य शामिल हैं**। इसके अतिरिक्त, यह जानते हुए कि उनके **समुदाय के सभी सदस्य** एक ही वित्तीय और स**ामाजिक कठिनाइयों से गुजर रहे हैं**, शायद समुदाय की **बढ़ती भावना में भी योगदान दे सकते हैं।**

कौन अपने व्यक्तिगत संबंधों से सबसे अधिक संतुष्ट है?

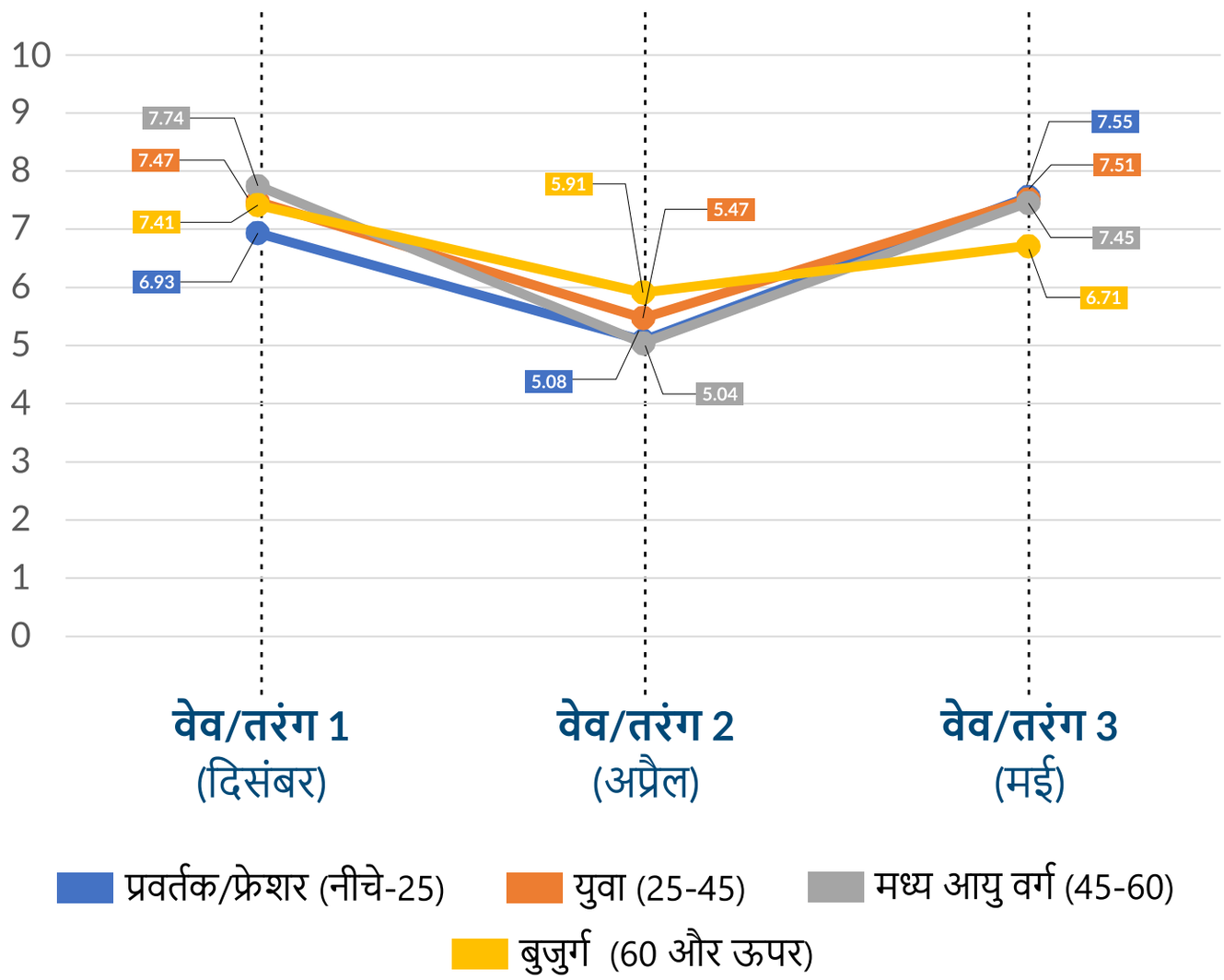

जबकि प्रवर्तक/फ्रेशर्स (25 से कम) और युवा लोगों (25-45) ने कोरोनोवायरस संकट (मई), **मध्यम आयु वर्ग अपने व्यक्तिगत संबंधों के साथ संतुष्टि में वृद्धि की सूचना दी है।** उसी दौरान **मध्य आयु वर्ग (45-60) और वृद्धावस्था (60 और ऊपर)** के वर्गों ने **संतुष्टि में गिरावट की सूचना दी है।**

कुल मिलाकर, **सभी आयु समूहों** ने जब **राष्ट्रव्यापी तालाबंदी लागू की गई** थी तब सर्वेक्षण के **तरंग 2** में व्यक्तिगत संबंधों में **संतुष्टि में गिरावट की रिपोर्ट की है।** इसे इस तथ्य के लिए **जिम्मेदार ठहराया जा सकता है** कि **लोगों ने घर पर रहना शुरू कर दिया था और सामाजिक भेद करने की आदत हो गई थी।**

व्यक्तिगत संबंधों के संतुष्टि में सबसे अधिक गिरावट दर्ज की गई (सर्वेक्षण के तरंग 3)।

0.70

वृद्धावस्था समूह

यह इस तथ्य के कारण हो सकता है कि **वृद्ध लोगों को कोरोनावायरस के लिए सबसे कमजोर माना गया और सबसे सामाजिक रूप से दूर होने के लिए कहा गया।**

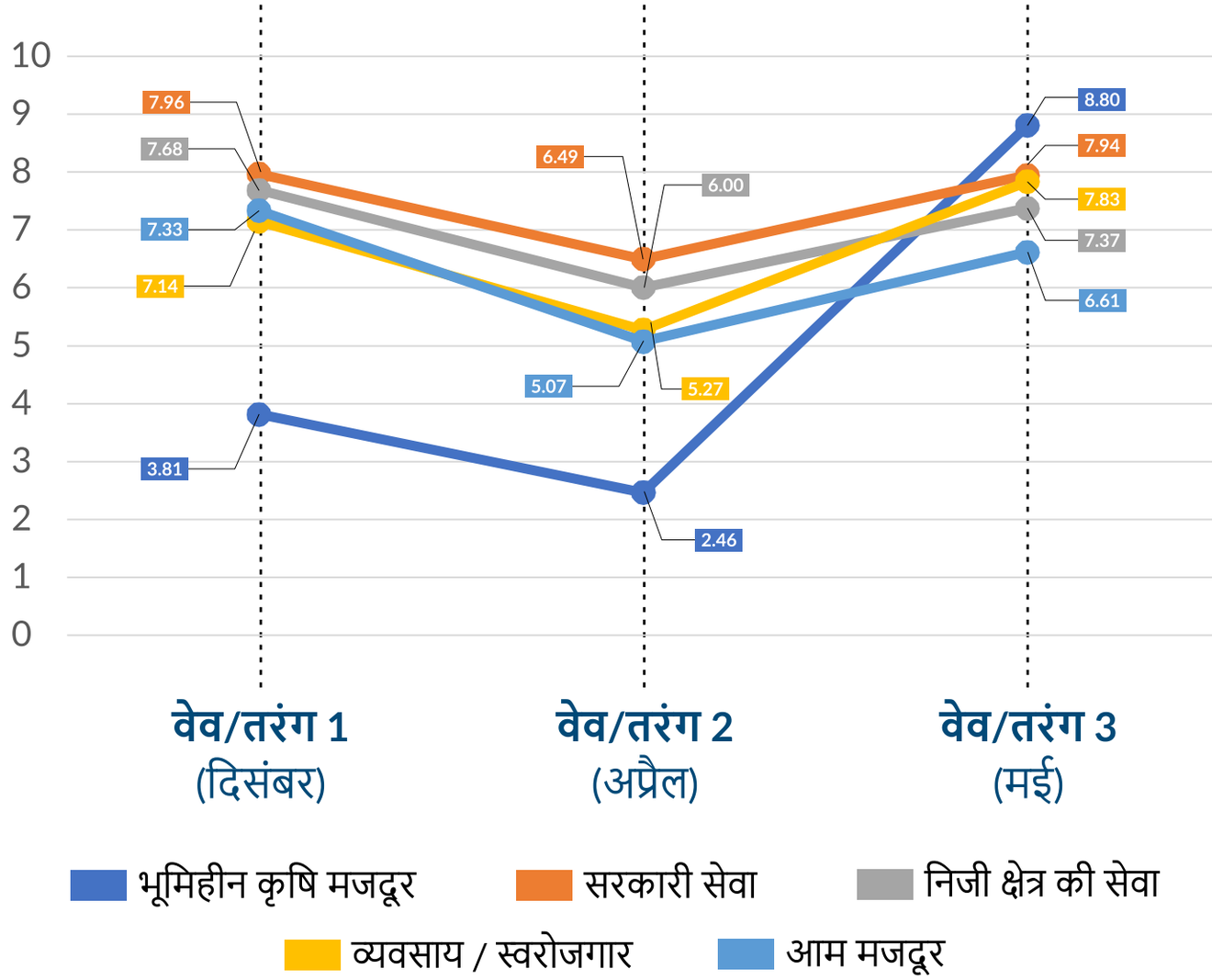

व्यवसायों के दौरान कोरोनोवायरस **लॉकडाउन के पहले और लॉकडाउन के दौरान** अपने **व्यक्तिगत संबंधों के साथ लोगों के संतुष्टि के स्तर की तुलना करते हुए**, हमने एक विविध प्रतिक्रिया का निरीक्षण किया है।

भूमिहीन कृषि मजदूर पहले की तुलना में कोरोनावायरस लॉकडाउन के **दौरान 5 अंकों के व्यक्तिगत संबंधों के साथ संतुष्टि में वृद्धि के उच्चतम स्तर को दर्ज किया है।** इसी समय, स**ामान्य मजदूर ने समान समय अवधि के लिए 0.73 अंक** की समग्र **कमी दर्ज की है।**

व्यक्तिगत संबंधों के साथ समग्र संतुष्टि में मामूली कमी दर्ज की।

0.02
सरकारी क्षेत्र के कर्मचारी

0.32
निजी क्षेत्र के कर्मचारी

सभी सर्वेक्षण निष्कर्ष और अनुमान दिसंबर 2019, अप्रैल 2020 और मई 2020 में किए गए टीम **C-Voter** की "पर्सनल वेलबीइंग सर्वे" पर आधारित हैं, जिसमें 18+ वयस्कों के बीच राज्य में हर प्रमुख जनसांख्यिकीय शामिल है।

डेटा को हर राज्य के ज्ञात जनसांख्यिकीय प्रोफ़ाइल में शामिल किया जाता है, जिसमें आयु वर्ग, सामाजिक समूह, आय, क्षेत्र, लिंग और शिक्षा स्तर शामिल हैं।
(नमूना आकार: 2488)

SPRF | सोशल मीडिया पार्टनर

अधिक जानकारी के लिए:
polstrat.com | teamcvoter.com